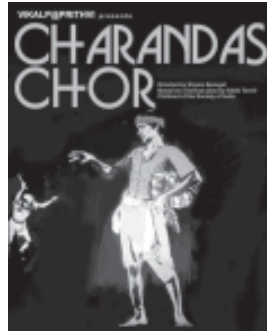


■ बीजों में श्वसन: एक और प्रयोग

- बीजों में श्वसन क्रिया एक बहुत ही रोचक एवं महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। पूर्व में अम्ल-क्षार के सूचक फिनाॅपथलीन को लेकर सूखे बीजों में श्वसन को दिखाया गया था, अब एक अन्य सूचक मिथिलीन ब्लू का उपयोग कर बीजों में श्वसन क्रिया का प्रदर्शन कराने का नया प्रयास किया गया है। मिथिलीन ब्लू ऑक्सीकरण-अवकरण क्रियाओं में सूचक के तौर पर उपयोग किया जाता है। इस लेख के माध्यम से इस प्रयोग की व्यवस्था व सिद्धान्त के साथ-साथ विस्तारपूर्वक पढ़ते व समझते हैं श्वसन की क्रियाविधि एवं इसकी जैव रासायनिक प्रक्रिया को।



चोरी, गाली और मारकाट - बाल साहित्य...

यह आलेख मुस्कान संस्था द्वारा आयोजित सेमिनार, किताबों में विविधता की ज़रूरत है, में दिए गए वक्तव्य पर आधारित है। समाज में आदर्श भाषा, संस्कृति के विभिन्न तत्वों के प्रति संवेदनशीलता या बाल साहित्य के लिए उपयुक्त-अनुपयुक्त समझे जाने वाले मुद्दों आदि - इन सभी पर कई मतभेद हो सकते हैं। यह हमारे द्वारा सायास ही गढ़े गए हैं और इन्हें बदला भी जा सकता है। क्या बाल साहित्य में चोरी, मारकाट और भाषा में गाली-गलौच का प्रयोग जैसे मुद्दों को उठाकर हम कुछ नैतिक एवं मनोवैज्ञानिक द्वन्द्व पैदा कर सकते हैं, और क्या इन सब बातों से आज के बाल साहित्य की रचना के बारे में कुछ सुराग मिलते हैं? इस बेबाक चर्चा को पढ़ते हैं इस लेख में।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-67 (मूल अंक-124), सितम्बर-अक्टूबर 2019

— इस अंक में —

- 05 | हमें यह सब कैसे पता चला? - भाग 3
चारुदत्त नवरे
- 11 | करके देखा, समझ गया - भाग 2
सुभाष चन्द्र गांगुली
- 27 | बीजों में श्वसन: एक और प्रयोग
किशोर पंवार व प्रिया त्रिवेदी
- 34 | शुरुआती पढ़ना और पिटारा का पिटारा
शुभ्रा मिश्रा
- 41 | अभिमन्यु...
नेहा रूपड़ा
- 49 | रीडिंग अभियान के दो महीने
शहनाज़ शेख
- 54 | भारतीय भाषाएँ व संविधान: भाग-3
रमाकान्त अग्निहोत्री
- 59 | चोरी, गाली और मारकाट - बाल साहित्य...
सी.एन. सुब्रह्मण्यम
- 69 | उल्कापिण्ड
जॉन विंडहम
- 85 | क्या ताप का मापन सिर्फ कंडक्शन...
सवालीराम